मेरी प्रिय मुन्नूलाल,

तुमार पत्र मिला। हम तुमको हमेशा याद करते है। होलीमें आनेक हमारा बहुत मन था। मगर कैसे आसकते थे। अगले साल ज़रूर अयेंगे। तुम अच्छी तरह पढ़ती हो सुनके हमको बहुत खुशी हुई। पप्पूको मारना नहीं। पप्पू कैसा है। उससे केहदो की मौसी तुमको याद करती है। यहाँ पर खूब ढेर सा खिलौने बिकते है। तुम लोग यहाँ आना। हम सब दिलायेंगे! जूथा वाला घर हमने देखा था। तुमलोगों को भी वहाँ लेजायेंगे! मद्रास से जाते समय हमाँ होके जाना। अम्मा से केहदो कि बंबई चला जाय।

काकी कैसी हैं। उनसे केहदो कि मौसी अच्छी तरह है और उनको अपने नमशकार भेज रही है। बडे बाबू और दीदीको भी हमारे नमस्ते केहदेना। रानी और बेबी को हमारा प्यार। बेटा अम्मा कि केहना मानना और स्कूल जाने केलिये मत रोना। पप्पूको भी अच्छी तरह देखलेना! तुम हमको हमेशा चिट्ठी लिखना। पप्पू औ मुन्नू को हमारे प्यार

तुमारी प्रिय
चिन्नी।